डा० गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो०
R.M.C. सासाराम

B.A III Hons
Session-2019-20
Subject. PSY
Paper VII Group A

physical Environment भौतिक वातावरण:-

प्रत्येक कर्मचारी किसी न किसी प्रकार के परिवेश में कार्य करता है। कभी वह परिवेश से बाहर होकर काम नहीं करता। परिवेश निरन्तर कर्मचारी के कार्य और उसकी कार्यकुशलता को प्रभावित करता रहता है हालांकि कर्मचारी को उसकी चेतना नहीं रहती, जिस प्रकार हमें अपने पहने हुए वस्त्र की चेतना नहीं रहती है ठीक उसी प्रकार कर्मचारियों को अपने परिवेश से पड़ने वाले प्रभावों की चेतना नहीं रहती। परिवेश के मुख्य दो प्रकार है:- 1. भौतिक परिवेश (physical environment) 2. सामाजिक या मनोवैज्ञानिक परिवेश psychological environment) किसी स्थान विशेष में उपस्थित सभी भौतिक शक्तियों तथा उत्तेजनाओं के योग को भौतिक वातावरण कहते हैं जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव काम करने वाले व्यक्ति पर पड़ता है। इसके अन्तर्गत प्रकाश (illumination) तापमान (Temprature) वायुसंचार (ventilation) कोलाहल (Noise) कार्यावधि (Hours of work) आदि प्रमुख है। दूसरी ओर मनोवैज्ञानिक या सामाजिक परिवेश व्यक्ति

Scanned with CamScanner

के अन्दर तथा बाहर उपस्थित उन सभी घटनाओं को कहा जाता है जो किसी क्षण-विशेष में व्यक्ति के अनुभवों तथा व्यवहारों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इसके अन्तर्गत कार्य व्यवस्था और कर्मचारी का संबंध व्यक्त होता है।

उद्योगों के अन्दर भौतिक वातावरण एवं मनोवैज्ञानिक वातावरण दोनों का समान महत्व है। may Smith के अनुसार औद्योगिक जीवन में मानसिक वातावरण का उतना ही महत्व है जितना भौतिक वातावरण का" दूसरे शब्दों में "the mental atmosphere is real and important in industrial life as is the physical atmosphere".